Date __/__/____

Saathi

Sub. Psychology
B.A. Part II (Hons)
Paper - III
Chapter - Anxiety disorder
Topic - Obsessive-compulsive disorder
By - Nishant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr. L.K.V.D College Tajpur. Samastipur
Lecture series no. - 29

## Obsessive Compulsive Disorder
## मनोग्रस्ति-बाध्यता विकृति

प्रारम्भ में मनोवैज्ञानिकों का विचार था कि मनोग्रस्तता (obsession) तथा बाध्यता (compulsion) दो स्वतंत्र रोग हैं। परन्तु बाद में अध्ययनों से पता चला कि ये दोनों एक ही मनःस्नायु-विकृति के दो रूप हैं। फिशर ने मनोग्रस्तता की परिभाषा इस प्रकार दी है। - "बाध्यता एक ऐसे विशिष्ट स्वरूप की मानसिक या आन्तरिक क्रिया है जिसे व्यक्ति अतार्किक समझता है, लेकिन उसपर उसका कुछ भी नियंत्रण नहीं रहता है।" उपर्युक्त परिभाषा का विश्लेषण करने पर निम्नलिखित बातें मिलती हैं -

I. बाध्यता मनोग्रस्तता (obsession) एक मानसिक रोग है।
II. यह उसकी इच्छा के विरुद्ध आता है।
III. इसमें रोगी के मन में एक अतार्किक विचार बार-बार आता रहता है।

Page No.

Scanned with CamScanner

Date __/__/____

iv. इस पर उसका कोई नियंत्रण नहीं रहता है।

वाध्यता (Compulsion) की परिभाषा फिशर द्वारा इस प्रकार दी गयी है- "वाध्यता एक ऐसे विशिष्ट स्वरूप के बार-2 होने वाली बाध्य क्रिया है, जिसे व्यक्ति उस परिस्थिति में जिसमें यह क्रिया होती है अतार्किक एवं असंगत समझता है, लेकिन उस पर उसका कुछ भी नियंत्रण नहीं रहता है। उस परिभाषा का विश्लेषण करने पर निम्नलिखित बातें मिलती है-

i. वाध्यता एक मानसिक रोग है।

ii. इसका रोगी एक ही क्रिया को बार-2 करता है।

iii. यह क्रिया अतार्किक रहती है।

iv. इसपर उसका कुछ नियंत्रण नहीं रहता है।

उपयुक्त मनोग्रस्तता (Obsession) तथा वाध्यता (Compulsion) दोनो की परिभाषा को देखने से पता चलता है दोनो एक ही मनोदशा के दो रूप है। पहला वोधात्मक जिसका प्रकाशन केवल ज्ञान के स्तर पर होता है तथा दूसरा क्रियात्मक जिसका प्रकाशन एक विशेष प्रकार की शारीरिक चेष्टाओं के रूप में होता है। कभी-2 झक्की विचार और बाध्य क्रियाएँ दोनो एक ही व्यक्ति में पायी जाती है। अब झक्की विचार की प्रधानता रहती है तो यह रोग बहुत संगीन हो जाता है. परन्तु बाध्य क्रिया की प्रधानता रहती है तो यह रोग बहुत संगीन नहीं समझा होता है।

Page No.

Scanned with CamScanner